राधा रानी का पा कर प्यार

राधा रानी का पा कर प्यार

धुन : नी मैं नचनां मोहन दे नाल

राधा रानी का पाकर प्यार,
जीवन धन्न धन्न हो गया।
बना स्वर्ग मेरा घर-बार,
जीवन धन्न धन्न हो गया ।।

मैया मोहे आप बुलाया ।
मेरा सोया भाग्य जगाया ।
मेरे अवगुण दियो बिसार -
जीवन धन्न धन्न हो गया ।।

मोहे रसिकन संग बिठाया ।
रंग गुलाल इत्र बरसाया ।।
रोम रोम रस हुआ संचार -
जीवन धन्न धन्न हो गया ।।

गला पसार 'मधुप' जब गायो ।
मैया गोविन्द मिलन करायो ।।
लगी गूंजन जय जयकार -
जीवन धन्न धन्न हो गया ।।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34850/title/radha-rani-ka-paa-kar-pyar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |